RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अगस्त
15
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

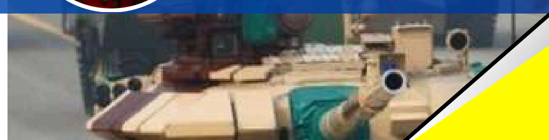

By Ankit Avasthi Sir

वित्तीय क्षेत्र के लिए RBI का मुफ़्त-AI विज़न / RBI's FREE-AI Vision for Financial Sector

संदर्भ:

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की एक समिति, जो **FREE-AI फ्रेमवर्क** तैयार कर रही है, ने सिफारिश की है कि विनियमित संस्थाएं (Regulated Entities) साझा अवसंरचना विकसित करें, ताकि डेटा और कंप्यूटिंग तक समान पहुंच सुनिश्चित हो सके। साथ ही, वित्तीय क्षेत्र के लिए एक **AI इनोवेशन सैंडबॉक्स** बनाने का प्रस्ताव भी दिया गया है।

वित्तीय क्षेत्र में जिम्मेदार एवं नैतिक एआई के उपयोग पर आरबीआई समिति (FREEAI)

पृष्ठभूमि एवं गठन:

6 दिसंबर, 2024 को जारी अपनी नीति वक्तव्य में भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने वित्तीय क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग के लिए ढांचा (Framework for Responsible and Ethical Enablement of AI in the Financial Sector - FREEAI) नामक एक विशेष समिति के गठन की घोषणा की।

- इस समिति का उद्देश्य **नवाचार को बढ़ावा देना** है, साथ ही यह सुनिश्चित करना कि **उपभोक्ताओं के हित पूरी तरह सुरक्षित रहें**।

मुख्य विवरण:

- **उद्देश्य:** वित्तीय क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के **जिम्मेदार और नैतिक अपनाने** के लिए एक **व्यापक ढांचा** तैयार करना। इसमें एआई के उपयोग के लिए **मार्गदर्शक सिद्धांत** और **संचालन मानक** तैयार करना शामिल है।
- **अध्यक्ष: डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य**
- **मंडेट (कार्यादेश):** समिति का कार्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई में होने वाली **तकनीकी प्रगति** को अपनाते समय:
  - **पारदर्शिता** – प्रक्रियाएं स्पष्ट हों और एआई के निर्णय समझाए जा सकें।
  - **जवाबदेही** – एआई-आधारित कार्यों के लिए उचित निगरानी और जिम्मेदारी तय हो।
  - **निष्पक्षता** – एआई सिस्टम में पक्षपात न हो और सभी हितधारकों के साथ समान व्यवहार हो।
  - **ग्राहक सुरक्षा** – उपभोक्ताओं के अधिकार, डेटा और विश्वास सुरक्षित रहें।

वित्तीय क्षेत्र में AI की आवश्यकता:

1. **दक्षता और स्वचालन:** लेनदेन, ऋण स्वीकृति, धोखाधड़ी पहचान और अनुपालन जांच में तेजी, साथ ही मानवीय त्रुटियों में कमी।
2. **डेटा-आधारित निर्णय:** उन्नत एनालिटिक्स से बेहतर जोखिम मूल्यांकन, क्रेडिट स्कोरिंग और निवेश रणनीतियाँ।
3. **ग्राहक अनुभव:** चैटबॉट्स, वॉइस असिस्टेंट और व्यक्तिगत अनुशंसाओं से सेवा गुणवत्ता में सुधार।
4. **धोखाधड़ी रोकथाम और सुरक्षा:** AI मॉडल वास्तविक समय में विसंगतियाँ पहचानकर साइबर सुरक्षा को मजबूत करते हैं।
5. **नियामक अनुपालन:** स्वचालित निगरानी से RBI, SEBI और अन्य नियामक मानकों का पालन सुनिश्चित।

एआई अपनाने में चुनौतियाँ

- **डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा:** एआई सिस्टम डेटा लीक और अपारदर्शी निर्णय लेने की प्रवृत्ति के प्रति संवेदनशील होते हैं, जिससे नियामकीय अनुपालन जटिल हो जाता है।
- **इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी:** कई वित्तीय संस्थानों के पास एआई को लागू करने के लिए आवश्यक कंप्यूटिंग क्षमता और कुशल कार्यबल की कमी है।
- **नियामकीय अनिश्चितता:** एआई की तेजी से विकसित होती प्रकृति पारंपरिक नियामकीय ढांचों को चुनौती देती है।

एआई अपनाने के लिए उठाए गए कदम

- आरबीआई की FREE-AI समिति का गठन
- इनोवेशन सैंडबॉक्स
- भाषिणी एकीकरण
- क्षमता निर्माण कार्यक्रम
- उद्योग सहयोग

प्राकृतिक खेती / Natural Farming

संदर्भ:

केंद्र सरकार ने 25 नवंबर 2024 को **राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन (NMNF)** को मंजूरी दी, जिसे 15वें वित्त आयोग (2025-26) तक एक स्वतंत्र **केंद्र प्रायोजित योजना** के रूप में लागू किया जाएगा।

- इस योजना का उद्देश्य कृषि पद्धतियों को वैज्ञानिक आधार पर अधिक टिकाऊ, जलवायु सहनशील और सुरक्षित खाद्य उत्पादन की दिशा में सशक्त बनाना है।
- इसके तहत मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, पारिस्थितिक तंत्र की पुनर्बहाली और किसानों की लागत घटाकर जलवायु सहनशीलता को बढ़ाना शामिल है।

प्राकृतिक खेती (Natural Farming)

परिभाषा:

प्राकृतिक खेती एक ऐसी कृषि पद्धति है जो प्रकृति की प्रक्रियाओं के साथ सामंजस्य में फसलों को टिकाऊ और समग्र तरीके से उगाने पर जोर देती है।

- यह स्थानीय कृषि-पर्यावरणीय सिद्धांतों, स्वदेशी ज्ञान, स्थान-विशिष्ट तकनीकों और स्थानीय कृषि-पर्यावरण के अनुकूलन पर आधारित है।
- इसका मुख्य उद्देश्य बाहरी इनपुट्स पर निर्भरता कम करना और एक ऐसा कृषि तंत्र बनाना है जो लंबे समय तक स्वयं को बनाए रख सके।

मुख्य विशेषताएँ:

- मिट्टी में न्यूनतम हस्तक्षेप (Minimal Soil Disturbance)
- जैविक इनपुट्स का उपयोग (Use of Organic Inputs)
- जैव विविधता और बहु-फसली खेती (Biodiversity and Polyculture)
- जल संरक्षण (Water Conservation)
- कीट प्रबंधन के लिए प्राकृतिक तरीके

प्राकृतिक बनाम जैविक खेती:

पहलू	प्राकृतिक खेती	जैविक खेती
प्रकृति से हस्तक्षेप	न्यूनतम हस्तक्षेप, जुताई, उर्वरक और खरपतवार निकालना तक नहीं	जैविक उर्वरकों, कीटनाशकों और जुताई की अनुमति
प्रणाली	स्वयं-सस्टेनेबल इकोसिस्टम पर जोर	प्रमाणन मानकों के तहत संरचित और नियंत्रित
इनपुट	बाहरी इनपुट लगभग शून्य	जैविक उर्वरक और कीटनाशक अनुमत
फोकस	मिट्टी की सेहत और प्राकृतिक कीट नियंत्रण	सिंथेटिक रसायन और GMOs का निषेध

चुनौतियाँ:

- **स्थानीय पारिस्थितिकी का ज्ञान:** इसे प्रभावी ढंग से अपनाने के लिए समय और गहन समझ आवश्यक।
- **श्रम-प्रधान:** परिवर्तन काल में अधिक श्रम और प्रारंभिक तौर पर कम उपज।
- **बाज़ार की मांग:** जैविक उत्पाद लोकप्रिय हो रहे हैं, परंतु प्राकृतिक खेती के उत्पाद हमेशा बाज़ार के प्रमाणन मानकों पर खरे नहीं उतरते।

सरकारी पहलें:

- **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY):** ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा, जो प्राकृतिक खेती में अनुकूल हैं।
- **मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना:** 2015 में शुरू, किसानों को मिट्टी के पोषण स्तर और pH की जानकारी देने के लिए।
- **राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (NMSA):** 2014 में शुरू, मिट्टी की सेहत, जल संरक्षण और उत्पादकता सुधार के लिए।
- **राष्ट्रीय जैविक खेती अनुसंधान संस्थान (NOFRI):** मिट्टी की सेहत सुधारने, जैविक तकनीक विकसित करने और सतत कृषि को बढ़ावा देने के लिए।

प्रमुख राज्य जहाँ प्राकृतिक खेती हो रही है: आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, केरल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु।

आगे की राह:

सरकार पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने, किसानों की आय में सुधार लाने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्राकृतिक खेती के महत्व को तेजी से पहचान रही है।

सरकार ने OCI नियमों को कड़ा किया / Govt tightens OCI rules

संदर्भ:

केंद्र सरकार ने ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन किया है।

- गृह मंत्रालय की नई अधिसूचना के अनुसार अगर कोई OCI कार्डधारक गंभीर आपराधिक मामले में दोषी पाया जाता है और दो वर्ष या उससे अधिक की कैद की सजा पाता है, तो उसका OCI पंजीकरण रद्द किया जा सकता है।
- यदि किसी OCI धारक के खिलाफ चार्जशीट ऐसे मामले में दायर होती है, जिसमें सात वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है, तो भी उसका कार्ड रद्द करने की कार्रवाई संभव है।

OCI कार्ड क्या है?

- **OCI कार्ड** भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों को **बिना वीज़ा भारत आने** की सुविधा देता है। यह योजना **अगस्त 2005** में शुरू हुई थी, ताकि प्रवासी भारतीयों को भारत से जोड़े रखा जा सके।
- इसके लिए वही व्यक्ति पात्र है जो **26 जनवरी 1950 को या उसके बाद भारत का नागरिक था** या उस तारीख को भारत का नागरिक बनने के योग्य था। **पाकिस्तान, बांग्लादेश** और कुछ अन्य देशों के नागरिक इसके पात्र नहीं हैं।

OCI कार्डधारक के लिए पात्रता:

निम्नलिखित विदेशी नागरिक **OCI कार्ड** के लिए पात्र हैं:

1. जो 26 जनवरी 1950 को या उसके बाद भारत का नागरिक था।
2. जो 26 जनवरी 1950 को भारत का नागरिक बनने के योग्य था।
3. जो उस क्षेत्र का निवासी था जो 15 अगस्त 1947 के बाद भारत का हिस्सा बना।
4. ऐसे नागरिक के बच्चे, पोते या परपोते।
5. ऐसे व्यक्ति का नाबालिग बच्चा।
6. नाबालिग बच्चा, जिसके दोनों माता-पिता या किसी एक माता-पिता भारतीय नागरिक हों।
7. भारतीय नागरिक के विदेशी मूल के पति/पत्नी, या OCI कार्डधारक के विदेशी मूल के पति/पत्नी, **यदि विवाह कम से कम दो वर्ष पंजीकृत और कायम रहा हो।**

अपात्रता: पाकिस्तान, बांग्लादेश और केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य देशों के नागरिक पात्र नहीं हैं।

OCI कार्ड के लाभ:

- **आजीवन वीज़ा:** OCI कार्डधारकों को बहुउद्देश्यीय, बहु-प्रवेश और आजीवन वीज़ा प्राप्त होता है।
- **विदेशी पंजीकरण से छूट:** भारत में किसी भी अवधि के प्रवास के लिए विदेशी पंजीकरण (FRRO) से छूट।
- **NRI जैसे आर्थिक, वित्तीय और शैक्षिक अधिकार** –
    - कृषि एवं बागान भूमि खरीदने में अपवाद।
    - अंतरदेशीय गोद लेने में NRI के समान अधिकार।
- **भारतीय नागरिकों जैसी दरें:** घरेलू हवाई किराया और राष्ट्रीय उद्यानों एवं वन्यजीव अभयारण्यों की प्रवेश शुल्क में।
- **पेशेवर अवसर:** डॉक्टर, डेंटिस्ट, नर्स, फार्मासिस्ट, वकील, आर्किटेक्ट, चार्टर्ड अकाउंटेंट आदि के रूप में काम करने का अवसर (संबंधित परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना आवश्यक)।

OCI धारकों के अधिकारों में सीमाएं:

- **डुअल सिटीजनशिप नहीं:** मतदान का अधिकार नहीं।
- **राजनीतिक पदों पर प्रतिबंध:** संसद, विधानसभा, विधान परिषद के सदस्य, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जज जैसे संवैधानिक पद नहीं संभाल सकते।
- **सरकारी नौकरी में सामान्यत: नियुक्ति नहीं।**
- **विशेष गतिविधियों के लिए अनुमति आवश्यक:** मिशनरी कार्य, पर्वतारोहण, पत्रकारिता कार्य के लिए पूर्व अनुमति।
- **संरक्षित/प्रतिबंधित क्षेत्रों में यात्रा:** PAP (Protected Area Permit) / RAP (Restricted Area Permit) आवश्यक।

पीपीपी मॉडल के तहत भारत का पहला निजी ईओ उपग्रह तारामंडल / India's First Private EO Satellite Constellation under PPP Model

संदर्भ:

IN-SPACe ने पिक्सलस्पेस इंडिया के नेतृत्व वाले समूह को भारत का पहला पूरी तरह स्वदेशी वाणिज्यिक पृथ्वी अवलोकन (EO) उपग्रह नक्षत्र **डिजाइन, निर्माण और संचालन** करने के लिए चुना है। यह परियोजना **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल** के तहत चलाई जाएगी।

भारत का पहला निजी पृथ्वी अवलोकन (EO) उपग्रह समूह-

- **नेतृत्व एवं साझेदार:** गूगल समर्थित पिक्सेलस्पेस (PixxelSpace) के नेतृत्व में गठित संघ, जिसमें पियरसाइट स्पेस (Piersight Space), सैटश्योर एनालिटिक्स इंडिया (Satsure Analytics India) और ध्रुवा स्पेस शामिल हैं।
- **निवेश:** अगले 5 वर्षों में ₹1,200 करोड़ से अधिक का निवेश।
- **पैमाना:** 12 EO उपग्रहों का समूह, जो पूरी तरह से भारत में डिज़ाइन, निर्मित और संचालित किया जाएगा।
- **परिनियोजन:** अगले 4 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से।
- **सेंसर:** पंक्रोमैटिक, मल्टीस्पेक्ट्रल, हाइपरस्पेक्ट्रल और माइक्रोवेव सिंथेटिक अपर्चर राडार (SAR)।

प्रमुख उपयोग:

- जलवायु परिवर्तन की निगरानी
- आपदा प्रबंधन
- कृषि
- अवसंरचना एवं शहरी नियोजन
- समुद्री निगरानी, राष्ट्रीय सुरक्षा

उद्देश्य:

- राष्ट्रीय और वैश्विक उपयोग के लिए **उच्च-रिज़ॉल्यूशन, स्वदेशी उपग्रह डेटा** उपलब्ध कराना।
- प्रमुख क्षेत्रों में भारत की **अंतरिक्ष-आधारित निगरानी क्षमताओं** को सुदृढ़ करना।
- विदेशी EO डेटा पर निर्भरता कम करना और **डेटा सुरक्षा व संप्रभुता** सुनिश्चित करना।

पीपीपी (PPP) ढांचा:

- **सरकार की भूमिका** – रणनीतिक, तकनीकी और नीतिगत सहायता।
- **संघ की भूमिका** – EO प्रणाली का स्वामित्व और संचालन, उपग्रह निर्माण, भारतीय प्रक्षेपण, ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा सेवाओं का व्यावसायीकरण।

महत्व:

- **भारतीय निजी अंतरिक्ष कंपनियों** की बड़े पैमाने, उन्नत तकनीक और व्यावसायिक रूप से लाभकारी मिशन संचालित करने की क्षमता का प्रदर्शन।
- **डेटा संप्रभुता** को मजबूत करना – विदेशी इमेजरी पर निर्भरता कम करना और यह सुनिश्चित करना कि सभी उपग्रह भारत में निर्मित, भारतीय रॉकेट से प्रक्षेपित और भारत से नियंत्रित हों।
- **हजारों उच्च-कौशल नौकरियों** का सृजन।
- भारत के अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था लक्ष्य को समर्थन – **2022 में $8.4 बिलियन से 2033 तक $44 बिलियन** तक विस्तार।
- राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों के लिए **विश्लेषण-तैयार एवं मूल्यवर्धित EO डेटा** की उपलब्धता।

भारत का निजी अंतरिक्ष उद्योग:

आर्थिक आकार: वर्तमान में भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था लगभग **8 अरब डॉलर** की है, जिसे निजी क्षेत्र की मजबूत भागीदारी से **2040 तक 100 अरब डॉलर** तक बढ़ाने की संभावना है।

निजी क्षेत्र का उदय:

- अब तक **200 से अधिक स्पेस स्टार्टअप** उभर चुके हैं।
- उदाहरण: **विक्रम-एस** – मिशन प्रारंभ के तहत प्रक्षेपित भारत का पहला निजी रॉकेट।

उद्योग संगठन: **इंडियन स्पेस एसोसिएशन (ISpA)** जैसे संगठन सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं।

व्हेल / whale

संदर्भ:

पिछले एक दशक में भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट (केरल, कर्नाटक, गोवा) पर व्हेल के फंसने की घटनाएं दस गुना बढ़ गई हैं।

व्हेल:

परिचय:

- व्हेल समुद्री स्तनधारी हैं, जो **सेटेशिया** वर्ग में आती हैं।
- इनमें दो प्रमुख समूह होते हैं - **बेलीन व्हेल (Mysticeti)** और **दाँत वाली व्हेल (Odontoceti)**।
- ये हवा में सांस लेती हैं और गर्म रक्त वाली होती हैं।
- **ब्लू व्हेल** अब तक ज्ञात पृथ्वी पर सबसे बड़ा जीव है।

पारिस्थितिक भूमिका:

- महासागर के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान - एक बड़ी व्हेल अपने शरीर में **टन CO_2** संग्रहित करके **कार्बन सिंक** का कार्य करती है।
- इनके पोषक तत्वों से भरपूर मल से **प्लवक (Plankton)** की वृद्धि होती है, जो CO_2 को अवशोषित करते हैं और वातावरण में ऑक्सीजन छोड़ते हैं।
- 13 व्हेल प्रजातियों में से 6 **लुप्तप्राय** या **असुरक्षित** श्रेणी में हैं।

खतरे:

- **व्हेल के तट पर फंसने (Stranding)** की घटनाएं 2003-2013 में प्रति वर्ष 0.3% से बढ़कर 2014-2023 में 3% हो गईं।
- 2023 में 9 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें अधिकतर अगस्त से नवंबर के बीच हुईं।
- **कारण –** जलवायु परिवर्तन, मत्स्य शिकार, ध्वनि प्रदूषण, जहाजों की टक्कर, आवास का क्षरण, और उथले तटीय क्षेत्र।
- **ब्राइड्स व्हेल (Bryde's whale)** सबसे अधिक फंसने वाली प्रजाति है; कभी-कभी ब्लू व्हेल भी पाई जाती है।
- भारतीय जल में ब्राइड्स व्हेल के **दो आनुवंशिक रूप (genetically distinct forms)** पाए जाते हैं।
- समुद्र के बढ़ते तापमान और तेज तटीय धाराएं भी इस समस्या को बढ़ा रही हैं।

सहासार / SabhaSaar

संदर्भ:

केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ग्राम सभा बैठकों की रिकॉर्डिंग से संरचित कार्यवृत्त स्वत: तैयार करने के लिए एआई-संचालित **'सहासार'** टूल लॉन्च करने जा रहा है।

सहासार / SabhaSaar

परिचय:

- **SabhaSaar** एक **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** आधारित मीटिंग सारांशण टूल है।
- यह ग्राम सभा या पंचायत बैठकों की **ऑडियो व वीडियो रिकॉर्डिंग** से **Minutes of Meeting (MoM)** का **लिप्यंतरण और संरचित प्रारूप** तैयार करता है।

उद्देश्य:

- ग्राम सभा बैठकों के दस्तावेजीकरण को **सरलीकृत और मानकीकृत** करना।
- पंचायत शासन में **दक्षता, पारदर्शिता और सुगमता** को बढ़ाना।

मुख्य विशेषताएं:

AI और NLP एकीकरण:

- उन्नत **Artificial Intelligence** और **Natural Language Processing (NLP)** तकनीक का उपयोग।
- **NLP** वह AI क्षेत्र है जो कंप्यूटर को मानव भाषा को समझने, व्याख्या करने और उत्पन्न करने में सक्षम बनाता है, जैसे अनुवाद, सारांशण, भाव विश्लेषण।

बहुभाषी समर्थन:

- **भाषिणी** (भारत सरकार का राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन) के साथ एकीकृत।
- **13 भारतीय भाषाओं** (जैसे कन्नड़ और अंग्रेजी) का समर्थन; आगे और भाषाओं को जोड़ने की योजना।

संरचित आउटपुट: आधिकारिक और प्रशासनिक प्रयोजनों के लिए **सीधे उपयोग योग्य MoM** तैयार करता है।

- मैनुअल ट्रांसक्रिप्शन के प्रयास को काफी कम करता है।

रेबीज़ / Rabies

संदर्भ:
सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को आदेश दिया है कि **कुत्तों के काटने** से बढ़ते रेबीज मौतों को देखते हुए आवारा कुत्तों को स्थायी रूप से पकड़कर बंद किया जाए।

रेबीज़ (Rabies)

परिचय: रेबीज़ एक **घातक ज़ूनोटिक वायरल रोग** है, जो **रेबीज़ वायरस (RABV)** से होता है।

- यह मुख्य रूप से **जानवरों के काटने या खरोंचने** से फैलता है।
- एक बार **क्लिनिकल लक्षण** प्रकट होने के बाद, यह लगभग हमेशा घातक होता है, इसलिए **रोकथाम अत्यंत आवश्यक** है।

कारण और संचरण:

- यह रोग **कुत्तों, बिल्लियों, पशुधन, चमगादड़ों, रैकून, स्कंक और लोमड़ियों** जैसे स्तनधारियों को संक्रमित करता है।
- WHO के अनुसार, **99% मानव रेबीज़ मामलों** का कारण कुत्तों के काटने या खरोंचने से होता है।
- संक्रमित जानवर की **लार का खुले घाव या श्लेष्मा झिल्ली** से संपर्क होने पर संक्रमण फैलता है।
- बिना इलाज के, यह रोग **कोमा और मृत्यु** का कारण बनता है।

टीकाकरण और रोकथाम:

- लक्षण प्रकट होने से पहले **WHO-स्वीकृत कोई निदान उपकरण** उपलब्ध नहीं है।
- **टीकों के प्रकार**:
  1. **प्रि-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस (PrEP)**: उच्च जोखिम वाले पेशों और यात्रियों के लिए।
  2. **पोस्ट-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस (PEP)**: संभावित संपर्क के बाद, वायरस को **तंत्रिका तंत्र में प्रवेश** करने से रोकता है।
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त टीके:
  - **RABIVAX-S** (सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया)
  - **VaxiRab N** (ज़ाइडस लाइफसाइंसेज़)
  - **VERORAB** (सनोफी पाश्चर)
- तुरंत **घाव को साबुन और पानी से धोना** और **समय पर टीकाकरण** करना आवश्यक है।

SC/ST छात्रवृत्ति / SC/ST

संदर्भ:
केंद्र सरकार अगले वित्तीय चक्र (वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31) के लिए अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए अपनी छात्रवृत्ति योजनाओं में बड़े सुधार पर विचार कर रही है।

SC, ST और OBC के लिए पोस्ट और प्री-मैट्रिक छात्रवृत्तियां

योजना का स्वरूप: यह **केंद्रीय प्रायोजित योजना** है, जिसे केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर वित्त पोषित करती हैं –

- सामान्य राज्यों के लिए **60:40 अनुपात**।
- पूर्वोत्तर राज्यों के लिए **90:10 अनुपात**।

- **पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति:** 10वीं कक्षा के बाद की पढ़ाई के लिए।
- **प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति:** मुख्यत: कक्षा IX और X के लिए,
  - लेकिन SC छात्रों के लिए कक्षा 1 से X तक भी लागू, यदि उनके माता-पिता **खतरनाक या अस्वच्छ व्यवसाय** में कार्यरत हैं।
- **आय सीमा:** वार्षिक अभिभावक आय ₹2.5 लाख से कम होनी चाहिए।

वर्तमान रुझान (2020–21 से 2024–25):

- **SC छात्रवृत्ति:**
  - प्री-मैट्रिक: **30.63% कमी**।
  - पोस्ट-मैट्रिक: **4.22% कमी**।
- **ST छात्रवृत्ति:**
  - प्री-मैट्रिक: **4.63 लाख** लाभार्थियों की कमी।
  - पोस्ट-मैट्रिक: **3.52 लाख** लाभार्थियों की कमी।
- **OBC, EBC और DNT छात्रवृत्ति:** प्री-मैट्रिक लाभार्थी **58.62 लाख (2021–22)** से घटकर **20.25 लाख (2023–24)** हो गए।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
BBK
Baaten Bazaar ki
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Baaten Bazar Ki
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE
+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)
FREE
EMI AVAILABLE
» Long-Term Investing Foundations
» Principles of Value Investing and Stock
» Portfolio Construction Mastery
» Sectoral Investing
» Stock Picking Framework
» Active Portfolio Management Techniques
» Mega Cap vs Mid Cap Strategy
SPECIAL BONUS
COURSE VALIDITY
1 YEAR